Dossier of the Project "Orgnizing 02 Eyes Specialty Camps in Project Affected Area of Tehri Dam Distt- Tehri & Haridwar

Sl. No.	Description	Details	Remarks if any
1	2	3	4
1.	Name of Project	Organizing 02 Eyes Specialty Camps in Project Affected Area of Tehri Dam Distt- Tehri & Haridwar	
2.	Project Code	047/2020-21/H&S/Eye Specialty Camp/RKSH/6.11	
3.	Name of Implementing Unit and Unit Code	SEWA-THDC Rishikesh	
4.	Name of Implementing Agency	Nirmal Mission for Vision Society, Nirmal AshramEye Institute,Rishikesh	
5.	Project Cost	6.115 Lakh	
6.	Date of Start	15 March 2021	
7.	Date of Completion	31 March 2021	Work Completed
8.	Location/Area of operation of the Project	Rim Area Bhilangna & Pathri Distt. Tehri. & Haridwar	
9.	Activity covered in the Project and Activity Code	Health & Sanitation	
10.	Targate Group	Villager of PAA of Tehri & Haridwar	
11.	Number of people benefitted from the project	440 Villager of PAA of Tehri & Haridwar	
12.	Quantification of benefit accrued from the project, as derived from the ImpactAssessment Report/evaluation report by independent agency. If any	Departmentally	
13.	Documentary proof like Photo\video\news items etc. If any	As Detailed Below	

परियोजना पर एक नजरः

उक्त कार्यक्रम को परियाजना से प्रभावित ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थय सेवा प्रदान करने के लिए बनाया गया है, जो निर्मल आश्रम आई इस्ट्टीयूट खैरी कलान, नियर नेपाली फार्म, श्यामपुर ऋषिकेश के सहयोग से 24 मार्च 2021 को समपन्न किया गया है। इस कार्यक्रम से परियोजना प्रभावित क्षेत्र की 5 से 10 गांव के ग्रामीणों की बेसिक चिकित्सा की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है, जिसमें ऑखों के मरीजों के मोतिया बिन्दु एवं आंख के अन्य रोगो की निःशुल्क शल्य चिकित्सा भी की जाती है साथ ही जांच एवं दंवाइर्या निःशुल्क दी जाती है। इस प्रकिया को शुरू करने से पूर्व समस्त ग्रामीणों के साथ बैठक के माध्यमों से परियोजना संचालन की गतिविधियों से अवगत करवा दिया जाता है, ताकि सभी कमजोर एवं निर्वल वर्ग के ग्रामीण पूरा फायदा ले सके।

परियोजना का उद्देश्यः

वर्तमान में इस तरह के कार्यक्रम को रिम एरिया के प्रभावित ब्लाकों के पिछड़े गांवों जहां पर मानव की जरूरतों हेतु बेसिक सुविधाओं का अभाव है या सरकारी तन्त्र ना के बराबर है, वहां पर मानवीय जरूरतों को पूरा करने में उन गांवों के मध्य केन्द्रीय स्थान/सघन आवादी वाले ग्रामीण क्षेत्र चयनित किये जाते है, इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए अन्य स्थानो में चरणबद्व तरीके से विस्तार किया जायेगा। जो दूरदराज ग्रामीण क्षेत्र चिकित्सा की बेसिक सुविधाओं से वंचित है, तथा चिकित्सा के लिए उन्हें कई मीलों का रास्ता तय करना पड़ता है उन स्थानों पर शिविरों के माध्यम से चिकित्सा व्यवस्था की जाती है। शिविर में महिला, बच्चों, और बुजर्गो के स्थिति देखते हुये विशेष घ्यान दिया जाता है।

गांवों में अन्य कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से चर्चा के उपरान्त यह बात सामने आयी कि इस क्षेत्र में महिला, बुजर्गो, और बच्चों के स्वास्थ्य की बहुत समस्यायें है, जिसकों मध्य नजर रखते हुये यह निर्णय लिया गया है कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए उन्हें विभिन्न बीमारियों के लक्षण और उनसे बचाव के लिए जानकारी दी जाए। युवाओं में बढ़ती उम्र के साथ उनके शरीर में होने वाले वदलाव के बारे में जानकारियां, आंखों की जांच और उनसे सम्बन्धित बीमारियों का निदान तथा निःशुल्क शल्य चिकित्सा उपचार की व्यवस्था की जाती है। सही स्वास्थ्य के लिए खानपान साफ सफाई के बारे में जानकारी दी जाती है।

कार्यक्रम की आवश्यकता आंकलन सर्वेक्षण के आधार पर:–

इस तरह के कार्यक्रमों की इस क्षेत्र में क्यों आवश्यकता हुई, रिम एरिया में सीएसआर के विभिन्न गतिविधियों के दौरान ग्रामीणों की स्थिति को नजदीक से देखने और उनसे किये गये सवांद के दौरान यह बात महसूस की गयी, जिसमें निम्न बिन्दु सामने आये :

- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रायः अभाव है।
- चिकित्सा सम्बन्धित अज्ञानता को रोकना।
- जमीनी स्तर पर ग्रामीणों के जीवन स्तर उठाने में गुणात्मक सुधार करना।
- सभी वर्ग के ग्रामीणों को समान स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करना।
- ग्रामीणों को बुनियादी सुविधा उपलब्ध करवाने में सहयोग प्रदान करना।
- महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना।
- समुदायों की जरूरतों पर आधारित सुविधाओं में सहयोग प्रदान करना।

परियोजना की समीक्षा और प्रतिक्रिया कार्यक्रम के दौरान शिविर के आसपास के ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों से चर्चा की गयी, जिसमें संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यो पर स्थानीय पुरूष/महिलाओं को चिकित्सा शिविरों से मिल रहे लाभ की जानकारियां ली गयी, जिसमें कार्यक्रम पर सभी ग्रामीणों ने सन्तोष व्यक्त किया।

साथ ही शिविरों की संख्या बढ़ाने का भी अनुरोध किया गया, क्योंकि यहां कि भौगोलिक परिस्थिति मैदानी क्षेत्रों से बहुत भिन्न है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा का बहुत बुरा हाल है। ग्रामीणों को छोटे से उपचार के लिए भी बहुत दूर–दराज जाना पड़ता है, जिसके साथ–साथ उन्हें आर्थिक और परिवारिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है और वे अपने स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा ध्यान नही दे पाते हैं।

इसी कार्य आदेश के सापेक्ष में दूसरा नेत्र मेडिकल कैम्प दिनांक 18 मार्च, 2021 को सेवा–टीएचडीसी द्वारा वित्त पोषित एवं निर्मल आई हॉस्पिटल के सहयोग से पथरी, हरिद्वार में भागीरथी नगर, बस्ती न0 01 में विस्थापित क्षेत्र के नागरिकों हेतु एक दिवसीय मेडिकल कैम्प (नेत्र) आयोजित किया गया, जिसमें कुल 187 व्यक्तियों के ऑखों की जांच की गई जिसमें 21 लोगों को आंखों का सफल आपरेशन कराने हेतु सुझाव दिया गया तथा 123 लोगों की जांच पश्चात् निशुल्क दवाईयां वितरित की गयी। लोगों ने इस सराहनीय कार्य के लिए सेवा–टीएचडीसी एवं निर्मल आई इंस्टीटयूट का बहुत–बहुत धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया तथा साथ ही भविष्य में भी इस प्रकार के नेत्र एवं स्वास्थय मेडिकल कैम्प आयोजित कराने हेतु आग्रह किया।

<u>टिहरी में आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर के फोटोग्राफ</u>

Dr. Reading
DR READING
shot on moto g⁵ˢ plus
@ychauhan

shot on moto g⁵ˢ plus
@ychauhan

"मानवता की सेवा मे"
सेवा- टीएचडीसी
के सौजन्य से
खैरी-कलां नजदीक नेपाली फार्म
समय 10 बजे से दोपहर
shot on moto g5s plus
@ychauhan

shot on moto g5s plus
@ychauhan

पथरी, हरिद्वार में आयोजित नेत्र कैम्प के फोटोग्राफः

पंजीकरण